Raj Express (Indore), 12th July 2025, Page-11

ओपनिंग और क्लोजिंग रैंकिंग में इस साल अन्य संस्थानों से बेहतर स्थिति में

बी.टेक प्रोग्राम: देशभर के युवाओं को अपनी ओर आकर्षित कर रहा आईआईटी इंदौर...

● इंदौर/ पीयूष मौर्य

सालों से स्वच्छता में नंबर 1 का खिताब अपने पास रखने वाला इंदौर अब देशभर में शिक्षा के क्षेत्र में अलग ही जगह बना रहा है। आईआईटी इंदौर अब देशभर के युवाओं को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आईआईटी इंदौर ने अपने प्रतिष्ठित बीटेक प्रोग्राम की ओपनिंग और क्लोजिंग रैंकिंग में इस साल अन्य संस्थानों से बेहतर स्थिति में है। आईआईटी प्रबंधन के अनुसार संस्थान ने पिछले तीन वर्षों में अपने प्रतिष्ठित बी.टेक प्रोग्राम की ओपनिंग और क्लोजिंग रैंकिंग में अच्छा सुधार का प्रमाण दिया है। संस्थान अलग-अलग इंजीनियरिंग विषयों में उच्च क्षमता वाले छात्रों को आकर्षित कर रहा है, जो उनके बीच बदलती प्राथमिकताओं और प्रवेश के प्रतिस्पर्धी गुण दोनों को दर्शाता है।

शोध आधारित शैक्षणिक कार्यक्रम: आईआईटी इंदौर के प्रति आकर्षण का मुख्य कारण शोध-आधारित शैक्षणिक कार्यक्रम है। यह जो परियोजना आधारित शिक्षा को बढ़ावा देते हैं और इस प्रकार अनुप्रयोग-आधारित शिक्षण प्रक्रिया में अधिक रुचि पैदा करते हैं। इसके अलावा, एनईपी के तहत यूजी पाठ्यक्रम के कार्यान्वयन ने संस्थान की लोकप्रियता को और बढ़ा दिया है, जिसमें एआई/एमएल तकनीकों का अनुप्रयोग नौ विषयों के अधिकांश मुख्य पाठ्यक्रमों का अभिन्न अंग है।

प्रौद्योगिकी और नवाचार के भविष्य को आकार: आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने बताया इंदौर में ओपनिंग और क्लोजिंग दोनों रैंकों में विकसित हो रहे रुझान छात्रों की बदलती आकांक्षाओं और विभिन्न इंजीनियरिंग विषयों में संस्थान की बढ़ती प्रतिष्ठा को दर्शाते हैं। हम ऐसी प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो कि प्रौद्योगिकी और नवाचार के भविष्य को आकार देंगी।

2023 से 2025 तक के आंकड़ों का विश्लेषण

- **कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (सीएसई):** इस कोर्स के प्रति अत्यधिक रूझान बना हुआ है, इस वर्ष 952 की ओपनिंग रैंक पिछले दो वर्षो के समान है, जो निरंतर मांग और प्रवेश या रैंक फ्लेक्जिबलिटी में थोड़ा विस्तार का संकेत देता है।
- **मैथेमैटिक्स एंड कम्प्यूटिंग:** निरंतर रुचि बनाए रखते हुए, यह कोर्स 2025 में 1678 की ओपनिंग रैंक के साथ आवेदकों को आकर्षित कर रहा है।
- **इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (ईई):** इसमें विद्यार्थियों की रुचि नजर आ रही है, जिसमें ओपनिंग रैंक 2390 के आसपास रही, जो लगातार उच्च प्रतिस्पर्धा का संकेत है।
- **स्पेस साइंस एंड इंजीनियरिंग:** इस उभरते हुए क्षेत्र में ओपनिंग रैंक 2023 में 6048 और 2024 में 5666 से बढ़कर 2025 में 4860 हो गई है, जो कि बढ़ती रुचि को दर्शाता है।
- **मैकेनिकल इंजीनियरिंग (एमई):** एमई की ओपनिंग रैंक में खास वृद्धि देखने को मिली है, जो कि 2023 में 4980 से बढ़कर 2024 में 4946 और 2025 में 4506 हो गई है।
- **इंजीनियरिंग फिजिक्स:** इंजीनियरिंग फिजिक्स का रूझान अधिक हो गया है, इसकी ओपनिंग रैंक 2023 में 5834 और 2024 में 5765 से बढ़कर 2025 में 5236 हो गई है। यह ओपनिंग रैंक विशिष्ट इंजीनियरिंग उम्मीदवारों के बीच इसके आकर्षण को सुदृढ़ बनाती है।
- **केमिकल इंजीनियरिंग:** ओपनिंग रैंक में खास उछाल आया है, जो इस वर्ष 5414 हो गई है, जबकि 2023 में यह 7553 और 2024 में 7109 थी, जो कि बढ़ती प्रतिस्पर्धा और मांग को दर्शाता है।
- **मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग एंड मटेरियल्स साइंस (एमईएमएस):** इस विशेष कोर्स को 2024 की तुलना में इस वर्ष 8439 की समान ओपनिंग रैंक मिली है, जो इसके निरंतर आकर्षण को दर्शाता है।
- **सिविल इंजीनियरिंग:** सिविल इंजीनियरिंग में भी ओपनिंग रैंक में सुधार देखा गया है, जो कि 2023 में 9489, जबकि 2024 में 8296 और 2025 में 8139 हो गई है।

विषय के रूप में कम्प्यूटर साइंस का रूझान सबसे अधिक

जेईई (एडवांस) के अध्यक्ष प्रोफेसर शैलेश कुंडलवाल ने कहा, विषय के रूप में कम्प्यूटर साइंस का रूझान सबसे अधिक बना हुआ है, जो शिक्षा जगत और उद्योग जगत, दोनों में क्षेत्र की उच्च मांग को दर्शाता है। केमिकल इंजीनियरिंग, स्पेस साइंस और मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है, जो संभवतः उभरते उद्योग रुझानों और भविष्य के करियर की संभावनाओं के कारण है। कई ब्रांच में रिक्तियों की संख्या में सामान्य सुधार आईआईटी इंदौर के बढ़ते कद और आकर्षण का संकेत देता है।

आईआईटी इंदौर का 13 वां दीक्षांत समारोह आज

इंदौर। आईआईटी इंदौर का 13 वां दीक्षांत समारोह आज संस्थान परिसर में आयोजित किया जा रहा है। दोपहर 3 बजे से होने वाले समारोह में बतौर मुख्य अतिथि एचसीएल के सह-संस्थापक पद्म भूषण डॉ. अजय चौधरी शामिल होंगे। समारोह में 809 विद्यार्थी अपनी डिग्री प्राप्त करेंगे, जो कि आईआईटी इंदौर से डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। इसमें विभिन्न पीएचडी कार्यक्रमों के 131 विद्यार्थी, बीटेक कार्यक्रमों के 339 विद्यार्थी, एमटेक कार्यक्रमों के 132 विद्यार्थी, एमएस (रिसर्च) कार्यक्रमों के 25 विद्यार्थी, एमएससी कार्यक्रमों के 106 विद्यार्थी, बी.टेक प्लस एम.टेक कार्यक्रम का 1 विद्यार्थी और एमएसडीएसएम कार्यक्रम के 75 विद्यार्थी शामिल हैं। आईआईटी इंदौर के शासी मंडल के अध्यक्ष डॉ. के. सिवन समारोह की अध्यक्षता करेंगे और संस्थान के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी समारोह की मेजबानी करेंगे। पांच नए एम.टेक कार्यक्रमों के विद्यार्थियों का पहला बैच भी इस दीक्षांत समारोह में डिग्री प्राप्त करेगा। स्वर्ण पदक के 6 प्राप्तकर्ता (जैसे कि राष्ट्रपति स्वर्ण पदक, बूटी फाउंडेशन स्वर्ण पदक, वीपीपी मेनन स्वर्ण पदक, संस्थान स्वर्ण पदक) के साथ-साथ दो नए शुरू किए गए स्वर्ण पदक, भी देंगे।

809 विद्यार्थी को मिलना है डिग्री, स्वर्ण पदक के 6 प्राप्तकर्ता